>

Title: Need to conduct an inquirty into the stampede in Mahakumbh Mela in Allahabad, Uttar Pradesh.

श्री गोरखनाथ पाण्डेय (भदोही): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से अति-संवेदनशील और महत्वपूर्ण प्रकरण पर आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं। जो इलाहाबाद महाकुंभ क्षेत्र में स्नान पर्व चल रहा है, जहां देश और विदेश से स्नानार्थी और पर्यटक आ रहे हैं। महोदय, वहां बहुत ही लोमहर्षक घटना हुई और प्रदेश सरकार की तरफ से जो व्यवस्था वहां की गयी, उसके होर्डिंग तो बड़े-बड़े लगाए गये और उसकी व्यवस्था क्षेत्र और योजना के लिए होड़ लगी तथा उसमें बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने की बातें की गयीं। लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जो घटना अमावस्या के दिन हुई, वहां भगदड़ से रेलवे स्टेशन पर बहुत सारे लोग मारे गये, घायल हो गये। बहुत से लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेरे क्षेत्र ज्ञानपुर से गुप्ता परिवार के पति-पत्नी घायल हुए। पत्नी तो मर गयी और पति का इलाज चल रहा है। इस घटना के पीछे व्यवस्था की खामियां थीं। वहां पर सड़कों के किनारे गड्ढे बने हुए थे और उन्हें ठीक से भरा नहीं गया था। दूसरी तरफ जो कल्पवासी गांव और शहरों से आकर एक महीने के लिए कल्पवास करते हैं, उन्हें जहां रखा गया, वहां न बिजली थी, न सड़क थी। दंड़ी आश्रम में साधु-संन्यासी जो आते हैं उन्हें भी इतनी दूर रखा गया कि संगम तक आने में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

महोदय, जिस दिन यह घटना हुई, प्रशासन के स्तर से जो जिम्मेदारी होनी चाहिए थी वह नहीं निभाई गयी। लोग स्टेशन तक पहुंचे लेकिन इतनी भीड़ में जब अव्यवस्था हुई तो जो घटिया किस्म का ओवर-ब्रिज रेलिंग बनाया गया था, उसकी रेलिंग टूटी और 50 से अधिक लोग मर गये और 150 से ज्यादा लोग घायल हुए। दुख की बात यह है कि डेढ़-दो घंटे तक प्रशासन सोता रहा और वहां स्वयं सेवी संस्था के लोग चादर में लपेट कर लोगों को अस्पताल ले जाते रहे। यह दृश्य टीवी पर भी दिखाया गया। महोदय, अगर व्यवस्था सही होती तो बहुत से लोगों को दवा देकर बचाया जा सकता था, लेकिन वह नहीं हो सका। जहां तीन करोड़ लोगों ने एक दिन में स्नान किया, देश-विदेश के लोग आये, वहां इतनी अव्यवस्था था जिससे देश की छवि विदेशों में धूमिल हुई।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना व्यवस्था की वजह से जो इतनी बड़ी घटना हुई, उसकी सीबीआई जांच करायी जाए। जिन परिवारों के लोग मर गये हैं वे विभागों के चक्कर लगा रहे हैं, उनके परिजनों को जो मुआवजा मिलना चाहिए वह भी उन्हें नहीं मिला है। मैं सीबीआई जांच की मांग करता हूं और निवेदन करना चाहता हूं कि मृतकों के परिजनों की पहचान कराकर उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए।